ये रफ-टफ गाड़ी, मेड इन पिलानी

श्यामलाल इंदौरिया | पिलानी

बिट्स पिलानी के स्टूडेंट्स ने ऐसी रफ-टफ गाड़ी बनाई है जो छोटी-मोटी बाधाओं को कुछ समझती ही नहीं। बिट्सियन ने अपनी रफ-टफ गाड़ी को एसएई इंडिया ऑर्गेनाइजेशन, इंदौर के बाहा कॉम्पीटिशन में देशभर के 79 इंजीनियरिंग कॉलेजों की टीमों के सामने उतारा। पीथमपुर, इंदौर के ऑटो टेस्टिंग ट्रेक पर हुए मुकाबले में इस गाड़ी ने 50 हजार का इनाम अपने नाम कर लिया। ऋषि बिग्धे के नेतृत्व में 20 छात्रों की टीम द्वारा बनाई गई रफ-टफ पर इस कम्पीटिशन के दौरान पुरस्कारों की बौछार हो गई। बिट्सियन के खाते में बेस्ट डिजाइन के पहले पुरस्कार के साथ-साथ 50 हजार का चैक भी आ गया। इस गाड़ी को एनर्जी एनालिस कैटेगरी में दूसरा और

पिलानी. लीडर के साथ रफ-टफ गाड़ी में बैठे टीम सदस्य।

एक्सीलिरेशन कैटेगरी में तीसरा स्थान मिला। इस उपलब्धि पर बिट्सियन काफी उत्साहित हैं।

विकलांगों के लिए वरदान बनेगी यह रफ-टफ

विकलांगों के लिए भी यह रफ-टफ गाड़ी एक वरदान साबित होगी। जहां उबड़-खाबड़ रास्तों के कारण विकलांग अपनी साधारण गाड़ी को लेकर नहीं जा सकते वहां यह गाड़ी उन्हें आसानी ले जाएगी। 340 सीसी 11 बीएचपी के इंजन वाली इस रफ-टफ को बिट्सियन ने इस तरह बनाया है कि विकलांग भी इसे आसानी से चला सकें। ऋषि ने बताया कि रफ-टफ में गियर बदलने के लिए बटन हैं। हैंड ब्रेक लग जाने के बाद विकलांग इसे आसानी से चला सकेंगे।

सवा लाख में बना डाली रफ-टफ

व्यावसायिक रूप से यह तीन से चार लाख रुपए की गाड़ी है, जिसे बिट्सीयन ने महज सवा लाख रुपए में बना डाला। रफ-टफ के टीम लीडर ऋषि बिग्धे ने बताया कि 20 सदस्यों की टीम के साथ बाहा कम्पीटिशन में भाग लेने के लिए मार्च 2010 में इसे बनाना शुरू किया था। जिसमें डिजाइन-सिम्यूलेशन-बिल्डिंग-मार्केटिंग और कोस्ट एनालिसिस जैसे कई फेज से गुजरकर जनवरी में यह बनकर तैयार हो गई। चार गियरोंवाली रफ-टफ को 60 किमी प्रति घंटा की अधिकतम स्पीड तक चलाया जा सकता है और ये 10 किमी प्रति लीटर का माईलेज देती है।

क्यों है ये गाड़ी रफ-टफ

बिट्सियन की यह गाड़ी यूं ही रफ-टफ नहीं कहलाती। यह उबड़-खाबड़, रेतीले, पहाड़ी व दलदली सभी तरह के रास्तों में बिना किसी रुकावट के आसानी से चलती है। इन्हीं फीचर्स की वजह से इसे एग्रीकल्चर, मिलिट्री और मनोरंजन के फील्ड में इस्तेमाल करना आसान है। उबड़-खाबड़ रास्तों पर बैलेंस के लिए इस गाड़ी का डिजायन इस तरह तैयार किया गया है कि इसका टोटल वेट इक्वली डिवाइडेड रहे। ड्राइवर की सेफ्टी का भी इसमें पूरा इंतजाम किए गए हैं। हर तरह केरास्तों पर पकड़ बनी रहे इसके लिए इसके विशेष टायर यूएसए से मंगवाए गए हैं।

इन्होंने बनाई यह गाड़ी

रफ-टफ गाड़ी की सोच और इसके बनाने के लिए किसी एक का नहीं बल्कि डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोगों के तेज-तर्रार दिमाग ने काम किया है। बिट्स के प्रोफेसर केएस सांगवान व लेक्चरर अमितसिंह के निर्देशन व ऋषि बिग्धे (कैप्टन) के नेतृत्व शुभम दीक्षित (वाइस कैप्टन), कार्तिक गांधी (ड्राईवर), कार्तिक बग्गा, रोहित शर्मा, पार्थ वेद, पुलकित मालपानी, रजा अहमद, अनिरुद्धसिंह, सैय्यद अहमद, मौलिक अग्रवाल, गगनदीप सिंह, अविरल शर्मा ने भूमिका निभाई। इन लोगों की महीनों की मेहनत रफ-टफ के रूप में सामने आई।